व्याकरण सुरभि

हिंदी व्याकरण

1 एव 5

पाठमाला - 1

पाठ-1 मेरी भाषा

(Page No - 5)

1. (क) आइस्क्रीम खा रहा है। (ख) किताब पढ़ रही है।
   (ग) संकेत दे रहा है। (घ) लड़का लिखने का काम कर रहा है।
2. (क) मौखिक (ख) लिखित
3. मौखिक रूप
4. हिंदी और संस्कृत
5. बोलना, सुनना, लिखना, पढ़ना
6. जर्मन, चीनी

पाठ-2 हिंदी वर्णमाला

(Page No - 11)

1. गमला, इमली, आम, अनार
2. स्वर – इ, अ, ऐ, ए, औ, ओ व्यंजन – ग, म, ट,ड, क, प, त, ब, च, ज
3. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र
4. अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः
5. अनार, आम, अंगूर

पाठ-3 बिंदु (ं) और चंद्रबिंदु (ँ)

(Page No - 15)

1. अंड़ा, कंघ, बाँसुरी, शंख, साँप, अँगूठी
2. बदंर मजंन बूँद जगंल माँद हँसी रंग,
   कंगन लड़कियाँ कंघ पंखा सूडँ

कार्यपत्र – 1

(Page No - 22)

1. (क) हिंदी (ख) दो (ग) नहीं (घ) चाँद
2. चाँद
2. कंचन बंदर टाँग पंख
3. फ्रेंच, पुर्तगाली, जर्मन, जापानी
4. स्वयं करें।
5. अनार, आम, अंगूर

पाठ–4 शब्द

(Page No - 17)

1. हाथी फूल मछली लड़की पेड़
2. नग बस हार घर
3. कटहल कलश थरमस अजगर

पाठ–5 वाक्य

(Page No - 19)

1. किसान हल चला रहा है।
   गाय घास खाती है।
   मैं रोज़ विद्यालय जाता हूँ।
2. सेब मीठा है।
   मेरे पास पाँच पंतग है।
   कविता पुस्तक पढ़ रही है।
   खरगोश की आँख सुंदर है।
   वह कमल से लिखता है।

पाठ–6 संज्ञा

(Page No - 21)

1. तितली मोर फूल मेंढ़क
2. (क) पुस्तक (ख) पक्षी (ग) फूल (घ) खाना
3. मोहन, पर्वत, कोलकाता, ताजमहल, गंगा

कार्यपत्र – 2

(Page No - 22)

1. म + ग + र = मगर श + ल + ग + म = शलगम
2. स्वयं करें।
3. इमली झूला
4. (क) मैं काल से खेलता हूँ।
   (ख) गाय घास खाती है।
5. (क) वाक्य (ख) शब्द
6. (क) मैं किताब पढ़ती हूँ। (ख) हाथी नदी में नहाता है।
7. टेबल कुर्सी टी.वी. पंखा कंप्यूटर घड़ी
8. डस्टर ब्लैडबोर्ड चॉक कुर्सी मेज़

पाठ-7 लिंग

(Page No - 26)

1. पिता – माता बकरा – बकरी मुरगा – मुरगी
2. रानी बहन कुत्तियाँ
3. अध्यापिका मालिन चूहिया हथनी लड़की

पाठ-8 वचन

(Page No - 11)

1. स्वयं करें।
2. कुरसियाँ कुत्तियाँ तितलियाँ फूलों सड़कें
3. एक – फूल, बालक, घड़ा, लड्डू, पेड़
   अनेक – घड़ियाँ, रोटियाँ, कुत्ते, पत्तियाँ, सड़के, पुस्तकें

पाठ-9 विशेषण

(Page No - 31)

1. लाल अनार दो कुरसियाँ गरम दूध तीन पक्षी
2. हरा पेड़ मोटा हाथी पीला केला मीठा खरबूजा
   तेज घोड़ा लाल सेब

कार्यपत्र – 3

(Page No - 33)

1. स्त्रीलिंग पुल्लिंग
2. बकरी मुरगा
3. (क) अनेक (ख) एक (ग) अनेक
4. एक अनेक अनेक
5. ठंडी – अइसक्रीम कड़वा – करेला गरम – चाय चटपटी – चाट
6. (क) मीठा (ख) चालाक (ग) सफेद (घ) गरम
7. (क) चार (ख) सुंदर (ग) गरम (घ) अच्छा
8. स्त्रीलिंग पुल्लिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग

पाठ-10 क्रिया

(Page No - 11)

1. (क) नीलम झूला झूल रही है। (ख) बगीचे में सुंदर फव्वारा लगा है।
   (ग) रमेश दौड़ रहा है। (घ) चिड़िया आसमान में उड़ रही है।
   (ङ) बगीचे में फूल खिलें है।
2. हम स्कूल में जाकर सुबह भगवान से प्रार्थना करते है। पढ़ते है।, लन्च करते है।, खेलते है।

3. माँ खाना बनाती है। मुझको स्कूल के लिए तैयार करती है। भगवान से प्रार्थना करती है। कपडे धोती है। सबका सम्मान करती है।

पाठ-11 उलटे अर्थ वाले शब्द (विलोम शब्द)

(Page No - 39)

जीत – हार आगे – पीछे नया – पुराना मोटा – पतला
मीठा – कड़वा सरल – कठिन

पाठ-13 गिनती

(Page No - 39)

5	५	पाँच	9	१	नौ
2	२	दो	7	७	सात

कार्यपत्र – 4

(Page No - 44)

1. (क) पी (ख) खेल (ग) घूम (घ) जोत
2. (क) पी रही (ख) जा रहा (ग) खेल रहा (घ) दे रहा
3. दिन – रात बड़ा – छोटा खट्टा – मीठा
4. (क) दूर (ख) काला (ग) रानी
5. (क) हिनहिनाता (ख) म्याऊँ-म्याऊँ (ग) पीऊ-पीऊ
6. (क) रविवार (ख) 31 (ग) दिसंबर (घ) 365
7. दौड़ना चलना पढ़ना खाना उठना

पाठ-14 आओ, कहानी पढ़ें और लिखें

(Page No - 46)

प्यासा कौआ

एक बार एक कौआ बहुत प्यासा था। वह पानी के लिए इधर-उधर भटक रहा था। उसे पानी कहीं नहीं मिला। अंत में उसे एक घड़ा दिखाई दिया। घड़े में पानी कम था। उसकी चोंच पानी तक नहीं जा रही थी। उसे कुछ सूझा, उसने कंकर इकट्ठे करके पानी में डाले। पानी ऊपर आ गया। उसने पानी पिया और उड़ गया।

दो बिल्लयाँ और एक बंदर

1. एक बार एक बिल्ली बहुत भूखी थी। उसे कहीं से एक रोटी मिल गई।
2. तभी दूसरी बिल्ली आई और रोटी के लिए उससे झगड़ने लगी।
3. उनका झगड़ा देखकर वहाँ पर एक बंदर आया। उसने बिल्ली को कटा
4. तुम दोनों झगड़ा मत करो। मैं ये रोटी तुम दोनों में बराबर-बराबर बाट दूगां।
5. बंदर ने रोटी ली और तराजू में रखकर तौलने लगा।

6. बिल्लीयों को आपस में झगड़ता देख बंदर रोटी लेकर वहँ से भाग गया।
7. बिल्ली देखती रह गई।
8. बंदर ने रोटी खायी और अपना पेट भरा।

पाठ-15 आओ लिखें

(Page No - 48)

1. मेरा कुत्ता

1. मेरे पास एक कुत्ता है।
2. उसका नाम चारली है।
3. इसका रंग भूरे है।
4. मैं उसे सैर कराने ले जाता हूँ।
5. वह खाना खाता है।
6. वह घर की देखभाल करता है।
7. मैं उसे प्यार करता हूँ।
8. वह रोज मेरे साथ खेलता है।
9. वह रोज मेरे साथ घूमने जाता है।
10. मू चारली बहुत अच्छज्ञ लगता है।

2. मेरी मैडम

1. मैं पहली कक्षा में पढ़ता हूँ।
2. मेरी मैडम का नाम प्रियंका है।
3. मेरी मैडम बहुत अच्छी हैं।
4. वह हमें प्यार से पढ़ाती हैं।
5. वह मुझे बहुत अच्छी लगती हैं।
6. वह बच्चों को बहुत प्यार है।
7. कक्षा में सभी बच्चे उनका कहना मानते है।
8. वह हमें पढ़ाई के साथ-साथ कहानियाँ भी सुनाती है।
9. वह सबसे मीठा बोलती है।

3. दशहरा का मेला

1. दशहरे का मेला लगा है।
2. रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले खड़े है।
3. सभी लोग मेला देखने आए है।
4. रावण के पुतले के दस सिर है।
5. एक बच्चा गुब्बारेवाले से गुब्बारा खरीद रहा है।

बताओ

दीपावली

पाठ-17 पहेलियाँ

(Page No - 52)

1. मक्का 2. आसमान (तारें)

पाठ-18 चित्र-वर्णन

(Page No - 54)

1. यह शरदी का मौसम है।
2. चारों तरफ बर्फ गिर रही है।
3. पेड़-पौंधो तथा घरों पर बर्फ जमा हो रखी है।
4. कुछ बच्चें बर्फ के गोले बनाकर एक-दूसरे पर फेंक रहें है।
5. बच्चे खेलकर बर्फबारी का आंनद ले रहे है।

कार्यपत्र – 5

(Page No - 55)

1. हमें किसी को भी अपने से कमज़ोर नहीं समझना चाहिए।
2. (क) तोता हरे रंग का होता है।
   (ख) उसकी चोंच नुकीली तथा लाल रंग की होती है।
   (ग) तोते को हरी मिर्च खाना अच्छा लगता है
   (घ) तोता देखने में बड़ा ही सुंदर होता है।
   (ङ) बच्चे इसे प्यारे से मिट्ठु बुलाते है।
3. और 4 स्वयं करें।

पाठमाला - 2

पाठ-1 हमारी भाषा

(Page No - 6)

1. राष्ट्र भाषा
2. (क) लिखित भाषा (ख) मौखिक भाषा

पाठ-2 वर्णमाला

(Page No - 10)

1. अनार आम इधर ईख उठना ऊपर ऋतु एक ऐसा ओखली औरत
2. मोर घोड़ा हाथी परी
3. च, छ, ज, झ ञ त, थ, द, ध, न प, फ, ब, भ, म
4. क्षत्रिय त्रिशुल ज्ञानी श्रेया
5. शलगम बतख नाव रेलगाड़ी

पाठ-3 संयुक्त वर्ण

(Page No - 12)

1. डिब्बा, अब्बा बिल्ली, दिल्ली पत्ता, छत्ता पन्ना, गन्ना मक्का, पक्का
2. लट्टू मक्खन बच्चा गुब्बारा

कार्यपत्र – 1

(Page No - 22)

1. (क) (3) (ख) (7) (ग) (7) (घ) (3) (ङ) (3)
2. मौखिक मौखिक लिखित मौखिक
3. (क) वर्णमाला (ख) ग्यारह (ग) दो (घ) व्यंजन (ङ) क्ष, ज्ञ
4. दिल्ली बच्चा पक्का मक्का धब्बा पत्ता
   ढ़क्कन गुब्बारा मक्खन
5. ह ओ क ल क म
6. ई, ऊ, अं, थ, ध, न, ल, श, त्र

पाठ-4 संज्ञा

(Page No - 17)

1. हाथ नाक पैर मुँह गर्दन
2. कायल तोता चिड़िया मोर बतख
3. आम सेब केला संतरा अंगूर
4. गाजर गोभी मटर टमाटर आलू
5. बस कोयल बैल बाँसुरी घोड़ा कुतुबमीनार

पाठ-5 तरत-तरह के शब्द

(Page No - 20)

1. असत्य कच्चा विदेश खट्टा
2. पेड़ शशि जल आसमान
3. लेखक अध्यापक मासिक सत्यवादी
4. पेंसिल पुस्तक परीक्षा किसान
5. पहाड़ सरिता

पाठ-6 लिंग

(Page No - 23)

1. चाची मौसी चुहिया हथिनी मोरनी शेरनी
2. बैल अध्यापक राजा कुत्ता माली नरी

3. पुल्लिंग स्त्रीलिंग
   घोड़ा घोड़ी
   ऊँट ऊँटनी
   चोर चोरनी
   मुरगा मुरगी
   लड़का लड़की
   साँप साँपिन
4. पुल्लिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग पुल्लिंग

कार्यपत्र – 2

(Page No - 24)

1. कार कमल पंतग कुरसी बकरी शलगम
2. गाँधी जी मेट्रो लालकिला विद्यालय मोर बस
3. हथिनी भारी पौधा खट्टा
4. पंकज नयन रवि जलज नेत्र भानु
5. मालिन मोरनी बैल
6. पुल्लिंग स्त्रीलिंग पुल्लिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग पुल्लिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग

पाठ–7 वचन

(Page No - 28)

1. कुरसियाँ बाजें मालाएँ तोतें मेज़ें कलमें
2. बहुवचन एकवचन एकवचन बहुवचन बहुवचन एकवचन

पाठ–8 विशेषण

(Page No - 30)

1. हरी घास काली बस पाँच सेब नीली कमीज़ मीठी खीर
   दो मीटर कपड़ा गहरा गड्ढ़ा पाँच किलो
2. (क) पीली (ख) काली (ग) पाँच किलो (घ) चार
3. तीन समोसे सुंदर गुड़िया लाल सेब मीठी चॉकलेट
4. मोटा – हाथी लंबी – नदी हरा – तोता काला – कौआ विशाल – आदमी

पाठ–9 क्रिया

(Page No - 33)

1. (क) पढ़ा रहा हूँ। (ख) नाच रही है। (ग) सो रही है।
   (घ) होगी। (ङ) आया था।

2. दौड़ रहा है। पढ़ रहे हैं। देख रहा है।
3. मैं स्कूल जा रहा हूँ।
   तुम स्कूल जा रहे हो।
   वह स्कूल जा रहा है।
   हम स्कूल जा रहें है।
   वे स्कूल जा रहे हैं।
4. खेलना उड़ाना भौंकना चलना आना लगाना

कार्यपत्र – 3

(Page No - 35)

1. घोड़ा आँखें पुस्तक पेंसिले नदियाँ रोटी केला जलेबियाँ
2. (क) केले (ख) कमरे (ग) लड़का (घ) चिड़ियाँ (ङ) मिठाई
3. (क) लाल (ख) काला (ग) पीले (घ) गरम (ङ) लंबा
4. पढ़ाकू तोता लाल गुलाब तेज़ घोड़ा
   लाल गाड़ी सफेद गाय बड़ा स्कूल
5. सोना पढ़ना भौंकना दौड़ना नाचना उड़ना
6. (क) हँसता (ख) जाता (ग) दौड़ता (घ) खाती (ङ) चलेंगे
7. नदी शशि जंगल

पाठ–10 सर्वनाम

(Page No - 38)

1. (क) तुम (ख) तुम (ग) वह (घ) मुझे (ङ) हम
2. (क) क्रिकेट खेलता हूँ।
   (ख) टी.वी. देख रहा है।
   (ग) सो रहे थे।
   (घ) कल मुंबई जाएँगे।
   (ङ) रोज़ नहाते हैं।

पाठ–11 गिनती वाले शब्द

(Page No - 40)

1. १६ ९ १२ ५ ७ १४
2. बीस तेरह अठारह छः ग्यारह उन्नीस

पाठ–12 दिन और महीनों के नाम

(Page No - 42)

1. (क) 28 (ख) जून (ग) दिसंबर (घ) अगस्त (ङ) फरवरी

2. (क) रविवार (ख) सात (ग) सात (घ) बृहस्पतिवार (ङ) मार्च
3. सात
4. 28, 30 या 31

पाठ-13 आओ, वाक्य बनाएँ

(Page No - 44)

1. (क) कुत्ता भौंक रहा है।
   (ख) मेट्रो ट्रेन जा रही है।
   (ग) फल स्कूल बंद रहेगा।
   (घ) रोहित पंतग उड़ा रहा है।
2. रोहित के पास दो छतरी है।
   मोहन ने कागज़ की नाव बनाई है।
   राकेश सरदी में गर्म पानी से नहाता है।
   मेरे घर के चारों तरफ गमले रखें हुए है।
   सरिता ने पीयूख का सुदंर चित्र बनाया है।
   राखी के घर आज ढ़ेर सारी मिठाई बनी है।
   मुझे एक गुब्बारा दे दो।
   उसके पास एक पेंसिल है।
   फूल मत तोड़ो।
3. (क) तीसरी (ख) बीस (ग)कूड़ेदान (घ) साफ-सुथरी (ङ) ब्लैकबार्ड

कार्यपत्र – 4

(Page No -45)

1. (क) उसने (ख) आप (ग) उसकी (घ) यह (ङ) तुम
2. उसे वह मेरा उसका उसे तुम्हारा
3. चार 4 आठ 8 सात 7 ग्यारह 11
4. जनवरी दिसंबर अक्टूबर नंवबर
5. (क) दूध पी रही (ख) गाना गा रही
   (ग) टी.वी. देख रहा है। (घ) पढ़ रही है।

पाठ-14 वर्ग पहेली

(Page No - 47)

बरफ़ी टॉफी कचौड़ी अनार चॉकलेट अमरूद बिस्कुट
समौसा इमरती बड़ी

पाठ-15 निबंध लेखन

(Page No - 51)

तिरंगा तीन शान सुंदर हिमालय गंगा धर्म हिंदी

पाठ-16 से 18 तक स्वयं करें।

पाठमाला - 3

पाठ-1 भाषा

(Page No - 6)

1. (क) (स) केरल की (ख) (स) दोनों
2. (क) मातृभाषा का प्रयोग होता है।
   (ख) भारत में हिंदी भाषा का प्रयोग अधिक होता है।
   (ग) हिंदी
   (घ) देवनागरी
3. तमिल,संस्कृत, गुजराती, सिंधी, तेलुगु, कन्नड़, पंजाबी, मराठी

पाठ-2 वर्णमाला

(Page No - 10)

1. (क) (अ) व्याकरण (ख) (द) सभी
2. (क) मेरी कमीज़ सिल गयी है। (ख) बच्चे को सेब काटकर खिलाओं।
   (ग) क्या कमीज़ के बटन टूट गए हैं? (घ) राम और सीता वन में गए।
   (ङ) परमात्मा की पूजा करो।

पाठ-3 वर्ण

(Page No - 13)

1. (क) वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है।
   (ख) वर्णों के दो प्रकार हैं– स्वर और व्यंजन
   (ग) स्वर 11 है। अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
   (घ) व्यंजनों की संख्या 33 हैं।
   (ङ) क्ष, त्र, ज्ञ, श्र
2. किसने पृथक कठिनाई चौकीदार आदि
3. ट्रक धृणा वृक्ष कुछ कृपा दया
4. स्वर – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
   व्यंजन – क, ख, ग, घ ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह

कार्यपत्र – 1

(Page No - 22)

1. (क) (3) (ख) (7) (ग) (7) (घ) (7) (ङ) (3) (च) (3)
2. मलयालम राजस्थानी पंजाबी बंगाली
3. (क) 11 (ख) 33 (यहां पर 36 के स्थान पर 33 होना चाहिए) (ग) वर्णमाला
   (घ) चार (ङ) वर्ण (च) भाषा
4. (क) क् + अ + म् + अ + ल् + अ
   (ख) न् + अ + य् + अ + न् + अ
   (ग) क् + आ + न् + अ
   (घ) फ् + अ + ल् + अ
   (ङ) व् + अ + न् + अ

पाठ–4 शब्द

(Page No - 20)

1. (क) (अ) सार्थक (ख) (ब) प्रत्यय (ग) (ब) पुनरुक्त
2. (क) वर्णों के मेल से शब्द बनते है।
   (ख) जब व्यंजन में स्वर नहीं होता तब उसमें हलत् लगाते है।
   (ग) वाक्य में युक्त शब्द पद कहलाते है।
   (घ) मूल शब्द के पहले उपसर्ग लगाकर उससे नये शब्द का निर्माण होता हैं; जैसे– अन् + आदर = अनादर।
   (ङ) प्रत्यय मूल शब्द के अंत में लगता हैं; जैसे– लिख + आई = लिखाई।
2. सुंदरता योग्यता भारतीय चीनी अज्ञान कुमार्ग दुर्गुण अनुचित

पाठ–5 शब्द–भंडार

(Page No - 24)

1. (क) (अ) अशांत (ख) (घ) कर्ण (ग) (ब) आस्तिक
   (घ) (स) दानों (ङ) (स) भेद
2. (ग) अर्थ के आधार पर शब्दों के निम्न भेद है– विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द तथा युग्म शब्द।
   (ग) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहा जाता है; जैसे– आकाश – नम, गगन, आसमान यहाँ आकाश शब्द के अनेक नाम हैं किंतु सबका अर्थ एक ही है।

(ग) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते है; जैसे– अंस – कंघा, अंश – हिस्सा। यहाँ पर अंस और अंश शब्द सुनने में एक स म्मान हैं परंतु इनका अर्थ अलग है।

3. पंकज, जलज अनिल, पावक प्रभु, भगवान पानी, नीर

भानु, प्रीाकर लोचन, नेत्र

4. व्यय निंदा असुर लाभ अपमान सुहागन असफल प्रशंसा
5. संग, अक्षर टैक्स, हाथ
6. (क) सुनार (ख) किसान (ग) कवि (घ) अधार्मिक

पाठ-6 संज्ञा

(Page No - 28)

1. (क) (अ) व्यक्तिवाचक (ख) (स) भाववाचक (ग) (अ) भाववाचक
   (घ) (अ) व्यक्ति के नाम को
2. (क) किसी, व्यक्ति, वस्तु, प्राणी या भाव के नाम को संज्ञा कहते है।
   (ख) रमेश, पेंसिल, ऊचाई, आगरा आदि।
   (ग) संज्ञा के तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा, भाववाचक संज्ञा
   (घ) ताजमहल प. जवाहर लाल नेहरू रामायण गीता
   (ङ) लड़का, लड़की, गाय, नदी
   (च) बुढ़ापा, ईमानदारी, सुंदरता आदि।
   (छ) द्रव्यवाचक संज्ञा – सोना, चाँदी, ताबाँ आदि।
   समूहवाचक में है– कक्षा, भीड़, सेना आदि।
3. मुंबई, ईख, कोलकाता, घड़ा, आगरा
4. व्यक्तिवाचक संज्ञा – आगरा, राम, लालकिला, रामायण, रजना, पुस्तक, दिल्ली, कुरसी, गंगा
   जातिवाचक संज्ञा – कक्षा, बंदर
   भाववाचक संज्ञा – खट्टा, बचपन, ऊँचाई सरदी

कार्यपत्र – 2

(Page No - 30)

1. (क) पटना (ख) किला (ग) पुस्तक
2. (क) कमल (ख) मछली (ग) लालकिला (घ) बरगद (ङ) पंतग
3. (क) सम् + मान = सम्मान (ख) अ + ज्ञान = अज्ञान
   (ग) धन + पति = धनपति (घ) दया + वान = दयावान
   (ङ) सु + मार्ग = सुमार्ग (च) दुः + भाग्य = दुर्भाग्य
   (छ) सुंदर + ता = सुंदरता (ज) दर्शन + शास्त्र = दर्शनशास्त्र
4. (क) सूर्य, भानू (ख) पुष्प, कुसूम (ग) पहाड़, गिरि (घ) गृह, सदन
5. (क) दयालु (ख) गायिका (ग) ड़ाकिया (घ) धोबी
6. आम, पानी, हिमालय, स्कूल
7. (क) भूख (ख) रमन, गीता (ग) रोहन, शिमला (घ) ट्रेन
   (ङ) दिल्ली, भारत, राजधानी
8. पहाड़ कुत्ता मेज़ घर

पाठ-7 लिंग

(Page No - 34)

1. (क) (स) शेरनी (ख) (अ) पत्नी
2. (क) शब्द के जिस रूप से उसवे नर या मादा होने का पता चले, उसे लिंग कहते है।
   (ख) हिंदी में लिंग दो प्रकार के होते हैं– स्त्रीलिंग और पुल्लिग
3. (क) पुल्लिग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिग (ङ) पुल्लिग
4. पिता – माता दादा – दादी पति – पत्नी राजा – रानी
   तोता – तोती चूहा – चुहियाँ
5. (क) वन में मोरनी नााच रही है। (ख) काली घोड़ी दौड़ती है।
   (ग) शिक्षिका पढ़ा रही है। (घ) धोबिन कपड़े धोती है।
   (ङ) चाचाजी आज आगरा जा रहे है।

पाठ-8 वचन

(Page No - 38)

1. (क) (अ) एकवचन में (ख) (अ) खिड़की (ग) (अ) एकवचन में
   (घ) (अ) तोते
2. (क) घोड़ों (ख) नदियों (ग) लड़कियाँ (घ) ऋतुओं
3. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) एकवचन (ङ) बहुवचन
4. (क) वे बालक हसं रहे है।
   (ख) मुझे हरे कपड़े अच्छे लगते है।
   (ग) पीपल के पेड़ कट गयें।
   (घ) बालिका पुस्तक पढ़ रही है।
   (ङ) आज ट्रेन लेट हैं।
5. डाकूओं कवियों नदियाँ लेखकों कुरसियों छात्रों मिठाईयाँ
   पुस्तकों केले मालाएँ
6. (क) डाकुओं (ख) मक्खियाँ (ग) दर्शकों (घ) नदियाँ (ङ) बसें
7. एकवचन – रजाई, कक्षा, बूढ़ा, कौआ
   बहुवचन – रातें, घोड़े

पाठ-9 सर्वनाम

(Page No - 42)

1. (क) (अ) हम (ख) (अ) कोई
2. महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्तूबर, 1869 ई. में हुआ था। वे उच्च शिक्षा पाने के लिए इंग्लैंड गए। वहाँ से उन्होंने वकालत की डिग्री ली। इसके बाद महात्मा गाँधी भारत लौट आए। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन चलाया। 30 जनवनी, 1948 को उनकी हत्या कर दी गई।
3. मैं तीसरी कक्षा में पढ़ता हूँ।

हम सब आज मेला देखने जाऐंगे।
तुम, कब आए?
वह भी तुम्हारे साथ घर जाएगा।
वे कल विद्यालय देर से पहुँचे।
कोई दरवाजे पर खड़ा है?
तुम कौन हो?

4. (क) कोई (ख) कौन (ग) आप (घ) हम (ङ) वह
5. (क) मैं (ख) वह (ग) हम (घ) आप (ङ) वे (च) अब
6. (क) तुम्हें (ख) मेरी (ग) हमारे (घ) आप
7. स्वयं करें।

कार्यपत्र – 3

(Page No - 45)

1. बच्चें क्रिकेट खेल रहें हैं। वह गाना गा रही हैं।
   किसान हल चला रहा हैं। गाय दूध देती है।
   पिता जी अखबार पढ़ रहें है। माता जी पूजा कर रही है।
2. (क) नौकरानी घर की सफाई करती है।
   (ख) बूढ़िया सो रही है।
   (ग) उसकी चार बेटियां हैं।
   (घ) मालिन फूल तोड़ रही है।
   (ङ) डिब्बियाँ खाली है।
3. (क) पुस्तकें (ख) चिड़ियाँ (ग) मित्रों (घ) मछलियाँ
4. (क) गुब्बारें (ख) गायें, रहीं हैं। (ग) पतंगें, रहीं हैं।
5. (क) रवि गेंद लेकर भाग रहा है। उस को रोको।
   (ख) किसान ने बेटों को समझाया। उन्होंने पिता की बात मान ली।
   (ग) प्रधानमंत्री जी किसानों को संबोंधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को ध्यानपूर्वक सुना।
   (घ) दादाजी ने बच्चों को डाँटा, पर वे चुप नहीं हुए।
   (ङ) चूहे ने शेर से प्रार्थना की। उसने दया करके चूहे को छोड़ दिया।

पाठ–10 विशेषण

(Page No - 48)

1. (क) (अ) पीली (ख) (अ) चार
   (ग) (अ) संज्ञा (घ) (अ) विशेषण
2. आकाश नीला है।
   माँ ने फीका खाना बनाया है।

मुझे पाँच लीटर दूध दे दो।
रमेश के पास चार लीटर तेल है।
मुझे कुछ पैसे उधार दे दो।

3. पीला – फूल नीली – कमीज़ काला – घोड़ा मीठा – सेब कड़वी – दवा

4.

विशेषण	**विशेष्य**
घना	जंगल
गहरी	नदी
हरी-हरी	घास
काली	बकरी
ठंडा	पानी
भूरी	बकरी

पाठ-11 क्रिया

(Page No - 52)

1. (क) (स) पढ़ी (ख) (अ) किसी काम के करने या होने का
   (ग) (ब) धातु
2. (क) रहता है। (ख) करने जाता है। (ग) रहता है।
   (घ) हिलाता रहता है। (ङ) खिलाई। (च) लौट है।
3. सरिता को सुबह-सुबह पढ़ना बहुत अच्छा लगता है।
   प्रातः काल घूमना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
   रात को समय पर सोना चाहिए।
   हमेशा पौष्टिक खाना खाना चाहिए।
   सीता मीठा गाती है।
   ज़ोर-ज़ोर से हँसना भी एक व्यायाम है।
4. खाना देना पढ़ाना
   खेलना सफाई चलाना

पाठ-12 वाक्य

(Page No - 56)

1. (क) (अ) क्या तुम मुंबई जाओगे? (ख) (ब) हमें यह काम करना है।
2. (क) करीना गुड़िया से खेलती है।
   (ख) गरिमा और मैं मनाली जाएँगे।
   (ग) तुम्हें टीका लगवाना चाहिए था।
   (घ) चाचा जी आज दिल्ली से जा रहे है।
   (ङ) काली कोयल मीठा गाती है।

3. राहुल अपने सभी कार्य स्वयं करता है।
गरिमा ने 15 अगस्त के प्रोग्राम का सारा प्रंबध अकेले ही किया।
उसके पास सुंदर गुड़िया है।
रोहन कक्षा में प्रथम आया।
लाल किला बहुत पुराना बना हुआ है।

पाठ-13 मुहावरे

(Page No - 59)

1. (क) (अ) ईर्ष्या करना (ख) (ब) बाल भी बाँका न होना
(ग) (अ) आँखें बिछाना (घ) (ब) दिन-रात एक कर देना
2. (क) अरे भाई क्यो जान खा रहे हो? तुम्हे देने के लिए मेरे पास कुछ नहीं।
(ख) आज के युग में अच्छे-अच्छे लोग बेरोजगारी के कारण खाक छान रहे है।
(ग) दिनेश की आयु आठ वर्ष है, लेकिन वह बड़े-बड़ों के काम काटता हैं।
(घ) पंकज की पत्नी तो उसे उंगलियों पर बचाती है।
(ङ) रमा की जली-कटी बातें सुनकर मेरा खून-खौलने लगता है।
3. नियम-विरुद्ध काम करना – उलटी गंगा बहाना
सावधान हो जाना – कान खड़े होना
बुरा लगना – आँखों में खटकना
निश्चिंत हो जाना – घोड़े बेचकर सोना
ढीठ होना – चिकना घड़ा होना
अपना मतलब निकालना – अपना उल्लू सीधा करना
4. (क) कपटी मित्र (ख) जबरदस्ती थोपना
(ग) उजाड मे चहल-पहल होना (घ) बुरी तरह हराना
(ङ) पुरानी बातें याद करना।

कार्यपत्र – 3

(Page No - 61)

1. हाथी एक बड़ा जानवर है। गुलाब का फूल लाल है।
रचना सबसे बड़ी है। काला घोड़ा दौड़ रहा है।
2. छोटा बच्चा लम्बी गाड़ी सफेद गाय लाल पुस्तक चालाक बंदर
काली कोयल ठंड़ा पानी मीठी चाय ऊचाँ पर्वत तेज़ खिलाड़ी
3. (क) दे रहा है (ख) लीजिए (ग) हो गई (घ) पूछा (ङ) थे
4. लड़का साइकिल चला रहा है। रमन गा रहा है अध्यापिका पढ़ा रही है।
खरगोश भाग रहा है। नदी बह रही है। कोयल गा रही है।
5. सिपाही को देखते ही चोर भाग खड़े हुए।
राणा प्रताप का घोड़ा हवा से बाते करता है।

रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के छक्के छुड़ा दिए।
आइसक्रीम को देखकर दीनू के मुंह में पानी आ गया।

6. मेरा इसे उसने

6. (क) मैं (ख) कोई (ग) मेरी (घ) वह (ङ) तुम्हारे

पाठ-14 कुछ सामान्य अशुद्धियाँ

(Page No - 64)

1. (क) तिथि (ख) पूजनीय (ग) आश्चर्य (घ) परिश्रम (ङ) क्षमा
2. (क) ईनाम (ख) सपताह (ग) बिमार (घ) प्रभु (ङ) रूपया
3. (क) उसे भोजन दे दो। (ख) नाना जी आये है।
   (ग) आप भी चलो। (घ) कल हमने आपसे कहा था।

पाठ-15 अंक ज्ञान

(Page No - 68)

1. पैंतालीस अट्ठाईस तेईस अड़तालीस बतीस उनतीस
   ग्यारह उन्नीस
2. 42 38 19 26
3. 38, 41, 45, 46, 50, 53
4. (क) 28 (ख) 25 (ग) 26

पाठ-16 अपठित गद्यांश

(Page No - 70)

1. (क) वैज्ञानिक
2. (ख) पेड़-पौधों के विषय में
3. (क) पेड़-पौधों में प्राण होते हैं
4. (ग) जिनसे वृक्षों की भीतरी क्रियाएँ देखी जा सकती थीं।
5. (घ) वे निर्जीव होते हैं

पाठ-17 से 21 तक स्वयं करें।

पाठमाला - 4

पाठ-1 भाषा और व्याकरण

(Page No - 8)

1. (क) (अ) देवनागरी (ख) (स) व्याकरण (ग) (ब) हिंदी
   (घ) (अ) मौखिक (ङ) (द) 'ब' 'स' दोनों

2. (क) भाषा अपने मन के विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम हैं इसके द्वारा हम अपने मन की बात दूसरों को बता सकते हैं तथा दूसरों के मन की बात समझ सकते है।

(ख) भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक और लिखित।

(ग) घर, स्कूल, घर के बाहर, टेलीविजन पर, कोन पर तथा रेड़ियों आदि पर देखने को मिलता है?

(घ) भाषा को लिखने के लिए जो चिह्न निश्चित किए गए हैं, उन चिन्हों को लिपि कहते हैं अंग्रेजी भाषा की लिपि रोमन है।

(ङ) भाषा के शुद्ध रूप को पढ़ने तथा लिखने के लिए हमें व्याकरण की आवश्यकता पड़ती है।

3.

	राज्य	**भाषा**
(क)	आंध्र प्रदेश	तेलगु
(ख)	कर्नाटक	कन्नड़
(ग)	केरल	मलयालम
(घ)	तमिलनाडु	तमिल

4. गुजराती, पंजाबी, बांग्ला, सिंधी, संस्कृत, तेलुगु, अंग्रेजी, गुरुमुखी, तमिल

5. (क) (3) (ख) (3) (ग) (3) (घ) (3) (ङ) (3)

पाठ-2 वर्ण व्यवस्था

(Page No - 15)

1. (क) (स) 33 (ख) (द) संयुक्त

(ग) (अ) अनुस्वार (घ) (अ) वर्णो के समूह को

2. (क) भाषा की वह छोटी से छोटी इकाई जिसके और खंड़ न किए जा सकें वर्ण कहलाती है।

(ख) वर्ण के दो भेद होते हैं– स्वर और व्यंजन

(ग) स्वरों का उच्चारण स्वंतंत्र रूप से बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता के किया जाता हैं जबकि व्यंजन के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।

(घ) क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये सभी संयुक्त व्यंजन है।

3. कम, कोयल, मेला, गोकुल

4. प + उ + स् + त् + अ + क् + अ घ् + ओ + ड़् + आ

व् + द + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ च + इ + ड़् + इ + य् + आ

अ + म् + अ + र् + ऊ + द् + अ

5. मोर घोड़ा सूर्य लालटेन

6. ट्रक ड्रम वर्षा गृह

7.

जल	जाल	जेल	जेली	जली
कल	काल	केला	केली	कली
हर	हार	हरे	हेरे	हरी

8. ऋषि ऋचा कृष्णा कृपा घृणा वृक्ष
9. प्रतिदिन, प्रत्येक; द्रव, द्रुत; त्रिशुल, त्रिदेव; क्रम, क्रमागत; ट्रक, ट्रेन

पाठ-3 शब्द

(Page No - 19)

1. (क) (अ) सार्थक (ख) (ब) जब वह वाक्य में प्रयुक्त हो जाता है
   (ग) (अ) उपसर्ग (घ) (अ) ता
2. (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते है।
   (ख) अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते है– सार्थक और निरर्थक
   (ग) उपसर्ग को मूल शब्द के पहले लगाकर नये शब्द का निर्माण होता है।
   (घ) दीनता, मानवता, कुशलता, हीनता आदि।
3. आज्ञा, अरुचि, कार्यक्रम, प्रशंसाा, अध्यापिका
4. धनवर्षा धनवान धनलक्ष्मी
   भयानक भयभीत भयवश
   प्रसन्नचित प्रसन्नता प्रसन्नतापूर्वक
   सत्येंद्र सत्यवादी सत्यम
   आदर-सत्कार आदरणीय आर्दश
5. मेला – ठेला लाए – जाए आती – जाती धरना – वरना
   जीना – मीना नाती – वाती
6. तुम थक्कर आए हो, तुम ने कुछ पानी-वानी पिया या नहीं।
   मैनें तो कब का खाना-वाना खा लिया है।
   आओ, सरदी हो रही है थोड़ी चाय-वाय पीते जाओ।
   तुमने दाल-वाल खाई की नहीं।
   मैने अपना सारा काम-वाम समाप्त कर लिया है।
7. (क) नदी (ख) मच्छर

कार्यपत्र – 1

(Page No - 22)

1. हिंदी – देवनागरी उर्दू – फारसी पंजाबी – गुरुमुखी
   अंग्रेज़ी – रोमन मराठी – देवनागरी
2. पंजाबी, मलयालम, राजस्थानी, मलयालम
3. (क) स्वरों (ख) स्वर, व्यंजन (ग) वर्ण (घ) शब्द (ङ) नहीं होती।
4. आम, पौधा, जादूगर, सैनिक
5. डमरू डगर डगमग
   डड़ा झण्ड़ा लड़का
   ढपली ढक्कण ढोल
   पीढ़ी सीढ़ी पढ़ना

6. (क) धनवान (ख) अनपढ़ (ग) अपयश (घ) मतदान (ङ) विद्यालय
(च) सफल

7. अ + ज्ञान = धनवान अ + धर्म = अधर्म तपो + वन = तपोवन
मूल्य + मान = मूल्यवान धर्म + अचार = धर्माचार सुंदर + वन = सुंदरवन
शोभ + आयुक्त = शौभायुक्त पठ + ति = पठति

पाठ-4 शब्द-भंडार

(Page No - 28)

1. (क) (द) सोम (ख) (अ) सरोज, पंकल, कमल
(ग) (अ) अज्ञान (घ) (अ) जो ईश्वर में विश्वास करता हो
(ङ) (द) काल (च) (द) अन्य

2. (क) समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे– सूर्य – रवि, भानु, प्रभाकर इसमें सूर्य के अलग-अलग न ाम हैं परन्तु अर्थ एक ही है।
(ख) एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते है।

3. दिवस वार दिवा
नारी व्याघ्र केसरी
दुश्मन अमित्र वैरी
नभ गगन अंबर
तन अंग काया

4. (क) उपर्युक्त (ख) अनाथ (ग) गणितज्ञ (घ) दर्शक (ङ) झगड़ालू

5. आभूषण, पराजय आनेवाला दिन, मशीन
अच्छा, वरदान पक्ष, सेना
चरण, शब्द मतलब, प्रयोजन

6. (क) मूर्ख (ख) निर्जीव (ग) निर्दय (घ) अंत (ङ) उजाला

7. (क) सुबह-सुबह अधूरी नींद से उठकर वह घूमने गई।
(ख) वह चलते-चलते सहसा रुक गया।
(ग) ?????
(घ) गाड़ी रुक- रुक कर चल रही थी।
(ङ) हाथी धीरे-धीरे चलता है।

पाठ-5 संज्ञा

(Page No - 33)

1. (क) (अ) व्यक्तिवाचक (ख) (ब) जातिवाचक
(ग) (स) भाववाचक (घ) (अ) मधुरता

2. (क) जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम का बोध कराए, उसे संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक

(ग) जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराए, उसे व्यक्त्विाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– ममता बेनजी, आगरा, ताजमहल आदि। परंतु जो शब्द संज्ञा शब्द से पूरी जाति के सभी प्राणियों का बोध कराए, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं जैसे– लड़का, नदी, विद्यालय आदि।

3. सुंदर – सुंदरता योग्य – योग्यता लाल – लालिमा
   काला – कालिमा बूढ़ा –बूढ़ापा हरा –हरियाली
4. जातिवाचक – शहर, सोना, पेड़
   व्यक्तिवाचक – दीपा, दिल्ली, फूल, यमुना, भवन, टोकरी, इंदिरा, आगरा, हिमालय, घर
   भाववाचक – जवानी, योग्यता, मिठास, टूट, कुरसी, सच्चाई, प्यार

पाठ–6 लिंग

(Page No - 39)

1. (क) (ब) सम्राज्ञी (ख) (ब) हथिनी
   (ग) (अ) पुल्लिंग (घ) (द) कवियत्री
2. शिक्षक – शिक्षिका मोर – मोरनी नायक – नायिका
   माली – मालिन सम्राज – सम्राज्ञी देवर – देवरानी
3. (क) पाठिका (ख) कवियत्री (ग) अध्यापिका (घ) नायिका
4. **पुल्लिंग** **स्त्रीलिंग**
   बंदर गाय, रोटी
   कवि, मोर पेंसिल
   हाथी थोड़ी, कली
   भालू, कुत्ता शेरनी
5. (क) बूढ़िया चली गई।
   (ख) सेविका सो रही है।
   (ग) शेरनी दहाड़ रही है
   (घ) बालिका पढ़ रही है।
6. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग

कार्यपत्र – 2

(Page No - 41)

1. (क) चपला (ख) अनिल (ग) शशि (घ) मन (ङ) खान
2. कमल, पंकज, नीरज मेघ, बादल, जलद
   घर, ग्रह, सदन घोड़ा, अश्व, अज
3. गोरा – काला हार – जीत गहरा – उथला
   सुंदर – श्याम अधिकतम – न्यूनतम श्वेत – श्याम

4. (क) शीला का पति सैनिक है। (ख) किसान अन्नदाता है।
(ग) गाँधीजी सत्यवादी थे। (घ) शिक्षक राष्ट्रनिर्माता होता है।
(ङ) वह मांसाहारी है।
5. (क) नहीं, सुझाव; (ख) आभूषण (गले में पहनने वाल), पराजय; (ग) किनारा, शस्त्र (कमान से निकला तीर; (घ) फल, सामान्य
6. (क) व्यक्तिवाचक (ख) भाववाचक (ग) व्यक्तिवाचक (घ) व्यक्तिवाचक
(ङ) भाववाचक
7. मिठास मोटापा घबराहट आश्चर्य
8. बूढ़ा – बुढिया बेटा – बिटिया धोबी – धोबिन भाई – बहन
सम्राट – सम्राज्ञी मौसी – मौसी चुहिया – चूहा मुरगी – मुर्गी
कुम्हार – कुम्हारिन गायिका – गायक

पाठ-7 वचन

(Page No - 45)

1. (क) (स) हाथियों (ख) (ब) लड्डुओं
2. (क) शब्द के जिस रूप से वस्तु के सक होने का बोध होता हैं। उसे एकवचन कहते है।
(ख) हिंदी में दो वचन हैं– एकवचन और बहुवचन
3. कवि – कवियों, पुस्तक – पुस्तकों महीना – महीनों कुरसी – कुरसियों
पत्ता – पत्तें चटाई – चटाईयों
4. एकवचन – लड्डू, कन्या, माला, लट्टू, चिट्ठी
बहुवचन – नदियाँ, पुस्तकें, बच्चे, कमीज़े, कहानियाँ
5. (क) हाथियों (ख) फसलें (ग) तिनकों (घ) ऋतुएं (ङ) बंदरों
6. (क) एकवचन (ख) एकवचन (ग) बहुवचन (घ) एकवचन (ङ) बहुवचन

पाठ-8 सर्वनाम

(Page No - 50)

1. (क) (स) प्रश्नवाचक (ख) (ब) निश्चयवाचक
(ग) (अ) निश्चयवाचक (घ) (ब) संबंधवाचक
2. (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर आते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते है।
(ख) सर्वनाम के छः भेद है– पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चय वाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक, संबंधवाचक।
3. (क) मैं (ख) तुम (ग) वह (घ) कौन (ङ) कोई
4. (क) निजववाचक (ख) संबंधवाचक (ग) अनिश्चयवाचक
(घ) प्रश्नवाचक (ङ) पुरुषवाचक
5. (क) संजना (ख) कृष्ण (ग) पुस्तक
6. हम, मैं, तुम्हें, कौन, कोई

7. (क) आप (ख) हमें (ग) वह, हमें (घ) तुम (ङ) मेरे, तुम्हारे

पाठ-9 विशेषण

(Page No - 56)

1. (क) (अ) गुणवाचक (ख) (ब) संख्यावाचक
   (ग) (ब) संख्यावाचक (घ) (ब) संख्यावाचक
2. (क) जो शंब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं विशेषण कहलाते हैं।
   (ख) जिस शब्द की विशेषता बताई जाती हैं। उसे विशेष्य कहते हैं।
   (ग) विशेषण के चार भेद हैं– गुणवाचक विशेषण – अच्छा, बुरा, मोटा आदि; संख्यावाचक विशेषण – दो, चार, तीसरा आदि; परिमाणवाचक विशेषण – तीन किलो दूध, दो मीटर कपड़ा, थोड़ी चीनी आदि; सार्वनामिक विशेषण – वह, यह कोई, कौन आदि।
3.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	चार	केले
(ख)	दो किलो	दूध
(ग)	तीन किलो	चीनी
(घ)	नीली	साड़ी
(ङ)	कोई	आदमी

4. (क) अभिमानी (ख) कठोर (ग) बहादुर (घ) साफ (ङ) खूबसूरत

कार्यपत्र – 3

(Page No - 58)

1. बहुवचन बहुवचन एकवचन बहुवचन बहुवचन एकवचन
2. (क) लड़की दौड़ रही है।
   (ख) बाग में बंदर ने उत्पात मचा रखा है।
   (ग) बेमौसम की बारिश ने फसल को भारी नुकसान पहुँचाया।
   (घ) नीनी की बात सुनकर मूझे हँसी आ गई।
   (ङ) जंगली हाथि ने ग्रामीण का घर नष्ट कर दिया।
3. हँसी सच्चाई आवाज़ शायद
4. संज्ञा – कमल, भाई, जवाहर, पर्वत
   सर्वनाम – उनसे कैसा, मुझको, उन्होंने
5.

विशेषण	**विशेष्य**
लाल	सेब
बड़ा	हाथी
काला	कौआ
सुंदर	फूल
खट्टी	इमली

6. सतरंगी इंद्रधनुष विशाल भवन लाल गुलाब
स्वच्छ जल बहादूर सैनिक लंबी नदी

पाठ-10 क्रिया

(Page No - 63)

1. (क) (अ) अकर्मक (ख) (ब) सकर्मक
(ग) () ?? (घ) (ब) सकर्मक
2. (क) जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं; जैसे– मोहन पंतग उड़ा रहा है।
(ख) क्रिया के भेद हैं– अकर्मक तथा सकर्मक
(ग) जिन क्रिया को कर्म की आवश्यकता नहीं होती उन्हें अकर्मक क्रिया होती हैं परंतु जहाँ कर्म की आवश्यकता होती है वह सकर्मक क्रिया होती है। जैसे– अकर्मक क्रिया – बालक दौड़ रहा है।, सकर्मक क्रिया – मोहन दूध पी रहा है।
3. (क) अकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया (ग) सकर्मक क्रिया (घ) सकर्मक क्रिया
4. (क) सींच रहा (ख) पका (ग) पत्र (घ) पाठ (ङ) कपड़े
5. रवि ने अभी-अभी पढ़ना शुरू किया है।
राधिका पत्र लिख रही है।
बालक जोर-जोर से रो रहा है।
मुझे सोना बहुत अच्छज्ञ लगता है।
6. होना – हूँ, है, था
लिखना – सो गई, लिखता है

पाठ-11 वाक्य

(Page No - 63)

1. (क) (अ) मेरा नाम मोहन है (ख) (ब) मेरा मित्र रवि
(ग) (द) अयोध्या के राजा दशरथ (घ) (ब) कल मेरा मित्र सोहन आएगा
(ङ) (द) धोए
2. (क) शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते है।
(ख) वाक्य में जिसके बारे में कोई बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते है?
(ग) वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य और विधेय
(घ) उद्देश्य या कर्ता जो कार्य कर रहा हैं उसे विधेय कहते है।
3.

उद्देश्य	विधेय
मैरा भाई मोहन	कल आएगा
आम	गरमियों में मिलते है।
किसान	बीज बो रहा है।
वह बेचारा	क्या कर सकता है।
मेरा छोटा बेटा मोहन	आज आ रहा है।

4. (क) आपको जाना पड़ेगा।
   (ख) मैसूर सूंदर है न।
   (ग) यह उनका व्यक्तित्व है।
   (घ) ऐसी नौकरानी भाड़ में जाए।
   (ङ) बच्चे बेहद प्रसन्न थे।
5. 1. विधानवाचक 2. निषेधवाचन 3. प्रश्नवाचक 4. संकेतवाचक
   5. संदेहवाचक 6. इच्छावाचक 7. आज्ञावाचक 8. विस्मयादिबोधक

पाठ-12 विराम-चिह्न

(Page No - 70)

1. (क) (अ) अल्प विराम (ख) (ब) मैं पुस्तक खरीदूँगा, उन्हें पढ़ूँगा।
   (ग) (स) !
2. (क) अरे! गोमती कहाँ चली गई।
   (ख) मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ।
   (ग) वहा! यह तो कमाल हो गया।
   (घ) मुझे पेंसिल, पेन, रबर, और कॉपी खरीदनी है।
   (ङ) शाबाश! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी।
3. ? प्रश्नवाचक , अल्पविराम ! विस्मयसूचक ; अर्द्धविराम
4. दादी माँ, जाती कहाँ हो बेटा। दूर जाना है, हम भी साथ चलेगें।
   तुम थक जाओगे।
   नहीं, दादी माँ।
   दादी माँ परिश्रमी, कर्मठ, सत्यप्रेमी, न्यानप्रिय महिला हैं।

पाठ-13 मुहावरे

(Page No - 74)

1. (क) (अ) मार डालना (ख) (ब) चापलूसी करना
   (ग) (अ) कोल्हू का बैल होना
   (घ) (ब) नौकरी पानी के लिए सचिन ने आकाश-पाताल एक कर दिया है।
2. (क) तुम अपने बुरे व्यवहार के कारण सबकी आँखों से गिर गए हो।
   (ख) उनके कहने और करने में तो आकाश-पाताल का अंतर है।
   (ग) सोहने अपने छोटे भाई को अपनी उँगलियों पर नचाता है।
   (घ) मोहन अपने सभी मित्रों को एक ही लाठी से हाकता है।
   (ङ) दिन भर काम करते-करते मेरी तो कमर टूट गई।
3. (क) अकल (ख) मुहँ (ग) नाक (घ) दाँतो (ङ) आपे (च) आगे

कार्यपत्र – 4

(Page No - 75)

1. (क) दौड़ रहा है। (ख) फोन पर बात कर रही है। (ग) चला रहा है।
   (घ) निकल रहा है। (ङ) ले रहा है।

2.

क्रिया	हो रही है	हो चुकी	होगी
खाना	खा रहा है	खा चुका	खाएगा
रहना	रह रहा है	रह चुका	रहेगा
जाना	जा रहा है	जा चुका	जाऐगा
पकाना	पका रहा है	पका चुका	पकाएगा
दौड़ना	दौड़ रहा है	दौड़ चुका	दौड़ेगा
सोना	सो रहा है	सो चुका	सोएगा

3. (क) हमारा जीवन बहुत कीमती है।
   (ख) आज विज्ञान का दुरूपयोग होने लगा है।
   (ग) गरिमा नृत्य सीख रही है।
   (घ) मैं खाना नहीं खाऊँगा।
   (ङ) कल स्कूल की छुट्टी रहेगी।

4.

	कर्ता	क्रिया
(क)	खाना	खाऊँगा
(ख)	मोहन	बीमार
(ग)	काला घोड़ा	दौड़ रहा
(घ)	सचिन	खेलता
(ङ)	प्रधान मंत्री	झंडा फहरायो

5. (क) नहीं (ख) नहीं (ग) नहीं (घ) हाँ (ङ) हाँ
6. (क) छि:! कितनी बदबू है। (ख) भावना ने कहा – मैं स्कूल नहीं जाऊँगी?
   (ग) रवि, कहाँ चला गया? (घ) इधर-उधर घूमना ठीक नहीं है।
   (ङ) शबाश! इसी तरह मेहनत करते रहो।
7. (क) दाँत खट्टे कर दिए। (ख) पानी-पानी हो गया।
   (ग) आग बबूला हो गए। (घ) आपे से बाहर हो गए।
   (ङ) नाक कटवा दी।
8. जाड़ भीचना अंगूठा दिखाना
   आँखे फटी की फटी रह जाना नौ-दो ग्यारह होना

पाठ-14 अपठित गद्यांश

(Page No - 78)

3. (क) (द) अनेक धर्म (ख) (ब) समभाव (ग) (ब) नहीं
   (घ) (अ) जब वे आडंबर बन जाएँ (ङ) (स) दिखावा
4. (क) (अ) गाय के घर (ख) (ब) बैलों की दुर्दशा

(ग) (ब) छोटी लड़की का प्यार पाकर (घ) (अ) छोटी लड़की की
(ङ) (अ) मोती ने

पाठ-15 से 21 तक स्वयं करें।

पाठमाला - 5

पाठ-1 भाषा और व्याकरण

(Page No - 8)

1. (क) (अ) मौखिक (ख) (स) आंध्र प्रदेश की (ग) (ब) 22
   (घ) (अ) इन सभी की
2. (क) भाषा वह साधन है। जिसके द्वारा मानक अपने मन के भावों-विचारों को दूसरों तक पहुचाँता हैं तथा दूसरों के मन के भाव एवम विचारों को ग्रहण करता है।
   (ख) भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक एवं लिखित।भाषा का मूल रूप मौखिक है।
   (ग) भाषा के शुद्ध रूप को पढ़ने वम् लिखने के लिए व्याकरण की आवश्यकता होती है।
   (घ) भावा के लिखने के ढ़ग को लिपि कहते हैं। हिंदी की लिपि देवनागरी तथा पंजाबी की गुरुमुखी है।
   (ङ) अवधी, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बंदेली, बघेली आदि।
5. (क) (3) (ख) (3) (ग) (7) (घ) (3) (ङ) (3)
4. (क) मैथिली (ख) कुमाँउनी, गढ़वाली (ग) दक्खिनी हिंदी (घ) संविधान
3.

राज्य	**भाषा**	**राज्य**	**भाषा**
तमिलनाडु	तमिल	असम	असमिया
राजस्थान	राजस्थानी	मणिपुर	मणिपुरी
हरियाणा	हरियाणवी	गुजरात	गुजराती
केरल	मलयालम	महाराष्ट्र	मराठी
ओडिशा	उड़िया	पंजाब	पंजाबी

पाठ-2 वर्ण-विचार

(Page No - 15)

1. (क) (ब) 11 (ख) (स) 33 (ग) (ब) क् + ष् + अ + आ
   (घ) (अ) ह्रस्व (ङ) (अ) अंतस्थ
2. (क) भाषा की वह सबसे छोटी से छोटी इकाई जिसके और खंड़ न किए जा सके वर्ण कहलाती है।

(ख) वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर और व्यंजन।

(ग) स्वर के दा भेद है– ह्रस्व और दीर्घ।

(घ) व्यंजन तीन प्रकार के होते हैं– स्पर्श, अंतस्थ और ऊष्म।

(ङ) जब एक से अधिक व्यंजनों को मिलाकर लिखा जाता हैं तो उसे संयुक्ताक्षर कहते हैं– जैसे– द् + ध = द्ध; प् + य = प्य आदि।

3. कक्षा, क्षत्रिय त्रिशुल, त्रिदेव ज्ञानी, अज्ञान श्रेया, श्री
4. बॉक्स, टॉफी, कॉफी, ऑफ्सि
5. क् + अ + ल् + अ + म + अ
   म् + ओ + र् + अ + न् + ई
   र् + अ + क् + त् + अ
   अ + म् + अ + र् + ऊ + द् + अ
   ख् + अ् + ट् + अ + म् + अ + ल + अ
5. आँख माँद पंख टाँग गंगा कंगन बंदर चाँदी

पाठ–3 शब्द–रचना

(Page No - 19)

1. (क) (अ) तत्सम (ख) (ब) तद्भव (ग) (ब) उप
   (घ) (स) पल (ङ) (ब) पीछे
2. (क) संस्कृत के वे शब्द जो भाषा में ज्यों के त्यों आ गए हैं तत्सम शब्द कहलाते है परंतु संस्कृत के वे शब्द जो रूप परिवर्तन के बाद प्रयोग में लाए जाते हैं उन्हें तद्भीव कहते हैं; जैसे– तत्सम – आम्र, अग्नि, दुग्ध; तद्भव – आम, आग, दूध आदि।

   (ख) जो शब्द विदेशी भाषाओं से हिंदी में प्रयोग किए जाते है, आगत शब्द कहलाते हैं; जैसे– किताब, गुब्बारा, अपील आदि।

   (ग) ऐसे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के लोग से बनते हैं यौगिक शब्द कहते हैं परंतु ऐसे शब्द जिनके और खड़ नहीं किए जा सकते रूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे– सेना + पति = सेनापति; पुस्तक + आलय = पुस्तकालय यौगिक शब्द हैं इसके विपरीत पुस्त, सोना, गाड़ी आदि रूढ़ शब्द है।

   (घ) जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल के कारण विकार उत्पन्न होता हैं विकारी शब्द कहलातें हैं। इनके अलावा अविकारी शब्द के होता है। जिनमें रूप परिवर्तन नहीं होता, इन्हें अव्यय भी कहते है।

3. सूर्य – सूरज कर्म – काम अग्नि – आग
   दुग्ध – दूध रात्रि – रात मधु – शहद
4. किताब – अरबी डॉक्टर – अग्रेजी गुब्बारा – फारसी
   आलपीन – पुर्तगाली कैंची – तुर्की साबुन – पुर्तगाली
5. कुरसी – रूढ़ पीतांबर – योगरूढ़ पंकज – यौगरूढ़
   पाठशाला – यौगिक नीलकमल – योगरूढ़ पुस्तकालय – यौगिक

6. अयोग्य – अ + योग्य　　सुंदरता – सुंदर + ता　　लिखाई – लिख + आई
अवगुण – अव + गुण　　धार्मिक – धर्म + ईक　　लिखित – लिख + त

कार्यपत्र – 1

(Page No - 21)

1. कश्मीरी – शारदा　　अंग्रेज़ी – रोमन　　हिंदी – देवनागरी
पंजाबी – गुरुमुखी　　उर्दू – फारसी
2. (क) मौखिक भाषा – मौखिक भाषा के द्वारा हम बोलकर अपने विचारों को व्यक्त करते है। भाषा का मूल रूप मौखिक है।
लिखित भाषा – लिखित भाषा में हम अपने विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं जैसे– पत्र, अखबार आदि लिखित भाषा का ही रूप है।
(ख) भाषा – भाषा वह साधन हैं जिसके द्वारा हम अपने भावों-विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते है।
बोली – बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप है। इसका क्षेत्र सीमित है।
(ग) भाषा – भाषा वह साधन हैं जिसके द्वारा हम अपने भावों-विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते है।
व्याकरण – भाषा का शुद्ध रूप लिखने के लिए जिन नियमों की आवश्यकता होती हैं उसे व्याकरण कहते है।
3. (क) स्पर्श व्यंजन – क्, प्, न्, ट् , च्, भ्, ञ्
(ख) अंतस्थ व्यंजन – ल्, व्
(ग) ऊष्म व्यंजन – स्, ष्, ह्
4. अर्थ, हर्ष, विनम्र, प्रकाश, भ्रम, फ़र्क, स्रोत, उत्कर्ष, ट्रक, ड्रामा, राष्ट्र, प्रतिज्ञा
5. गति – गति　　क्योंकी – क्योंकि　　पूजनिय – पूजनीय
साधू – साधु　　निरस – नीरस　　रखिये – रखिए
शक्ती – शक्ति　　बिल्कूल – बिल्कुल
6. (क) रूढ़ शब्द – कक्षा, नमक, रात, खिड़की
(ख) यौगिक शब्द – विद्यार्थी, विद्यालय, पुस्तकालय, चारपाई, शहरीकरण
(ग) योगरूढ़ शब्द – पीतांबर, महादेव, पंकज
7.

शब्द-प्रकार	**शब्द**
तत्सम	अग्नि
तद्भव	काम
योगरूढ़	पीतांबर
रूढ़	कमल
यौगिक	पुस्तकालय
देशज	पगड़ी
विदेशी	आलपीन

पाठ-4 शब्द-भंडार

(Page No - 30)

1. (क) (ब) वस्त्र (ख) (अ) शशि (ग) (अ) असत्य
   (घ) (अ) अन्याय (ङ) (द) नास्तिक (च) (द) वैज्ञानिक
2. कुसूम, सुमन नयन, नेत्र भानू, प्रभाकर भूमि, धरा
3. सम्मान – अपमान उत्थान – पतन आस्तिक – नास्तिक
   जन्म – मरण उचित – अनुचित आय – व्यय
4. (क) आस्तिक (ख) असहाय (ग) अवैतनिक (घ) विधवा (ङ) रेखांकित
5. वंश, ग्रोत्र गृह, भवन गोद, संख्या दिशा, जवाब
6. (क) आज्ञा – बड़े व्यक्ति द्वारा छोटों को निर्देश
   आदेश – किसी अधिकारी द्वारा दिया गया हुक्म
   (ख) श्रद्धा – अपने से बड़ों के प्रति पूण्य भाव
   भक्ति – ईश्वर के प्रति पूण्य भाव
   (ग) अस्त्र – फेंकर चलाया जाने वाला हथियार
   शस्त्र – हाथ में पकड़कर चलाया जाने वाले हथियार
   (घ) श्रम – केवल शारीरिक मेहनत
   परिश्रम – तन-मन लगाकर मेहनत
   (ङ) खेद – किसी गलती पर दुखी होना
   दुख – सामान्य कष्ट
   (च) अनल – आग
   अग्नि – वायु
7. (क) अन्य – मोहन के पास घर जाने के अलवा अन्य कोई रास्ता न था।
   अन्न – रामू के खेत में इस बार खूब अन्न उपजा है।
   (ख) उदार – रामू के पिताजी उदार हृदय के है।
   उदर – सलम के उदर में दर्द हो रहा है।
   (ग) कृपण – रमेश बड़ा हो कृपण है।
   कृपाण – सोहन बड़ा ही कृपाण बंवरीद कर लाया।
   (घ) कुल – श्री राम चंद्र उच्च कुल में पैदा हुए थे।
   कूल – नदी का कूल सूखा पड़ा है।
   (ङ) अंबर – अंबर में पक्षी चहचहा रहे है।
   अंबार – श्याम की दुकान में साड़ियों का अंबार लगा है।

पाठ-5 संज्ञा

(Page No - 35)

1. (क) (अ) व्यक्तिवाचक (ख) (अ) व्यक्तिवाचक (ग) (स) भाववाचक
   (घ) (अ) बुढ़ापा (ङ) (अ) भाववाचक
2. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम का संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के प्रमुख तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा

(ग) द्रव्यवाचक संज्ञा और समूहवाचक संज्ञा

3. **संज्ञा** **भेद**

दशरथ, राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, सीता, जनक, धनुष	व्यक्तिवाचक संज्ञा
बुढ़ापा	भाववाचक संज्ञा

4. ऊँचाई लिखावट कठिनाई बहाव लंबाई महानता मोटापा
रोग यौवन मित्रता दयालुता नारीत्व उदारता अधिकतर
बुढ़ापा कड़वापन

5. (क) बालक (जातिवाचक संज्ञा) (ख) प्रेमचंद (व्यक्तिवाचक संज्ञा)
(ग) हिमालय पर्वत (व्यक्तिवाचक संज्ञा) (घ) सेना (जातिवाचक संज्ञा)
(ङ) गरमी (भाववाचक संज्ञा)
(च) लक्ष्मीबाई (व्यक्तिवाचक संज्ञा) वीरता (भाववाचक संज्ञा)

6. (क) लालकिला (ख) अध्यापिका (ग) मधुरता (घ) दीवाली (ङ) सुनार

पाठ–6 संज्ञा के विकार

(Page No - 49)

1. (क) (अ) वस्तुएँ (ख) (स) कवयित्री (ग) (अ) अधिकरण
(घ) (स) से (ङ) (स) ये सभी (च) (द) ये सभी

2. (क) संज्ञा में लिंग, वचन और काल के कारण परिवर्तन आ जाता है इसलिए यह एक विकारी शब्द है।
(ख) संज्ञा में लिंग, वचन और कारक के कारण विकार आता है।
(ग) शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध हो तो उसे लिंग कहते हैं। लिंग दो प्रकार के होते हैं– स्त्रीलिंग और पुल्लिंग।
(घ) शब्द के जिस रूप से एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं वचन के दो रूप हैं– एकवचन और बहुवचन।
(ङ) कारक के आठ भेद हैं– कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण, संबोधन

3. स्त्रीलिंग पुल्लिंग पुल्लिंग पुल्लिंग पुल्लिंग पुल्लिंग

4. तुमने मेरा हथौड़ा कहा रखा है।
माँ मक्खन की टिकिया खरीद कर लाई।
माँ मुझे शर्बत पीना है।
वह महिला समिति की अध्यक्षा है।
तुम्हारा घोड़ा कहाँ चहा गया?

5. (क) बंदरियां नाच रही है। (ख) अध्यापिका पढ़ा रही है।
(ग) ऊटँनी चर रही है। (घ) एक बड़ी डिब्बी लाओ।

6. पाठक – पाठिका राजा – रानी जेठ – जेठानी विद्वान – विदषी
देवर – देवरानी कवि – कवयित्री
7. हमारे गावँ की बहुएँ कुओं से पानी लाती है।
कल सारे धोबियों ने कपड़े धोने से मना कर दिया।
राधा ने फूलों की एक माला बनाई।
रामू सभी गायों को शाम को वापस घर ले आया।
8. आँखें कपियाँ बोलियाँ वधुएँ
9. (क) साधुओं ने भोजन कर लिया।
(ख) शहर के नाले गंदे है।
(ग) लड़कियाँ माला बनाती हैं।
(घ) कुछ के कारण गाड़ियाँ देर से आएंगी।
(ङ) डाकुओं ने राहगीर को लूट लिया।
10. (क) संबंध कारक (ख) अधिकरण कारक (ग) करण कालक
(घ) अपादान कारक (ङ) अधिकरण कारक
11 में, पर को, के, लिए से(पथकता) को
12. (क) बिल्लियां आपस में लड़ने लगी।
(ख) बेटियां देश की शान होती है।
(ग) उसकी पेंसिलें टूट गई।
(घ) खिड़कियाँ खुली हुई थी।
(ङ) चुहियाँ घर में दौड़ रहीं थी।
13. (क) में (ख) पर (ग) से (घ) के (ङ) के लिए
14. (क) सूर्य दिन में उदित होता है।
(ख) पेड़ से पत्ता गिरा।
(ग) भिखारी के लिए भोजन दे दो।
(घ) मैं साइकिल से जाता हूँ।
(ङ) बिल में साँप है।

कार्यपत्र – 2

(Page No - 52)

1. (क) वसुधा (ख) चक्षु (ग) केहरी (घ) कर (ङ) नारी
2. (क) निर्जर (ख) कुसुमाकर (ग) धरती (घ) पूत (ङ) काश्तकार
3. (क) पावन (ख) योग्य (ग) पवन (घ) योग (ङ) आचार्य
(च) आचार्य (छ) उधार (ज) उदार
4. (क) क्रम (ख) ओर (ग) हँस (घ) आसमान
(ङ) निर्धन (च) परिणाम
5. (क) नींव, सोना (धातु) (ख) पुत्र, रंग (ग) जवाब, दिशा (घ) स्तर, पैर

6. समूहवाचक द्रव्यवाचक समूहवाचक द्रव्यवाचक द्रव्यवाचक समूहवाचक
7. (क) चतुराई (ख) एकता (ग) खुशी (घ) सादगी (ङ) धुलाई
8. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) स्त्रीलिंग
9. (क) लाया हैं (ख) देती हैं (ग) निकल रहे थे (घ) निकल आए (ङ) बीत गए
10. (क) रीतीयाँ (ख) चूही (ग) धेनूएँ (घ) हस्ताक्षरो (ङ) तितलिएँ
11. (क) संप्रदान कारक (ख) संबोधन (ग) कर्म कारक (घ) करण (ङ) अधिकरण
12. (क) को, का (ख) से (ग) में (घ) के, के लिए (ङ) को, से

पाठ-7 सर्वनाम

(Page No - 57)

1. (क) (अ) प्रश्नवाचक (ख) (ब) अनिश्चयवाचक (ग) (अ) पुरुषवाचक (घ) (ब) संबंधवाचक (ङ) (स) निश्चयवाचक
2. (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर अर्थात् सब नामों के लिए प्रयुक्त हो, उसे सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, वह, वे आदि।
   (ख) सर्वनाम के छः भेद हैं– सीाी के नाम और उदाहरण लिखें।
3. (क) निजवाचक (ख) प्रश्नवाचक (ग) निश्चयचवाचक (घ) संज्ञा
4. (क) मुझे (ख) कुछ (ग) कौन (घ) किससे
5. (क) वे (ख) यह (ग) कुछ (घ) मैं (ङ) स्वयं

पाठ-8 विशेषण

(Page No - 63)

1. (क) (अ) गुणवाचक (ख) (ब) अनिश्चित संख्यावाचक
   (ग) (स) संज्ञा/सर्वनाम दोनों की (घ) (अ) सख्यावाचक
   (ङ) (स) आदमी (च) (द) इन सभी से
2. (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते है।
   (ख) जो शब्द विशेषण की विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।
   (ग) विशेषण के चार भेद हैं– संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा सार्वनामिक विशेषण
3.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	नीली	कमीज़
(ख)	तीन	फल
(ग)	चतुर	लड़का
(घ)	पचास	छात्र
(ङ)	पाँच किलो	आटा

4. (क) कुछ लड़के (ख) यह पुस्तक (ग) कुछ लड्डू (घ) मै क्या
5. (क) सुंदर (ख) धोकर (ग) नीले (घ) ठंडा
6. स्थान – स्थानीय इतिहास – ऐतिहासिक सप्ताह – साप्ताहिक
लखनऊ – लखनवी नीति – नैतिक जापान – जापानी

पाठ-9 क्रिया

(Page No - 67)

1. (क) (स) किसी काम का होना और करना दोनों (ख) (अ) अकर्मक
(ग) (ब) सकर्मक (घ) (स) प्रेरणार्थक (ङ) (स) खाया
2. (क) जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का पता चले उसे किया क्रिया कहते हैं।
(ख) क्रिया मुख्यत: दो भेद है।
(ग) क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि कर्ता स्वयं कार्य व करने किसी से करवाता हैं, तब वहाँ प्रेरणार्थक क्रिया होती है; जैसे– माँ बच्चे को नोकरानी से दूध दिलवा रही है।
(घ) क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है।
3. (क) सकर्मक (ख) अकर्मक (ग) सकर्मक (घ) सकर्मक (ङ) सकर्मक
4.

धातु	**क्रिया का सामान्य रूप**	**वाक्य-प्रयोग**
पढ़	पढ़ना	राधा को पढ़ना अच्छा लगता है।
लिख	लिखना	रोहन पत्र लिख रहा है।
खा	खाना	राम और श्याम दोनों खाना खा चुके है।
बेच	बेचना	उसने अपने सारे केले बेच दिए।
रोक	रोकना	उसे मत रोको, जाने दो।

4.

	कर्ता	**क्रिया**
(क)	सूर्य	चमकता
(ख)	रोहित	खा रहा
(ग)	दादाजी	नहा रहे
(घ)	बंदर	कूद रहा
(ङ)	खरगोश	दौड़

कार्यपत्र – 3

(Page No - 69)

1. (क) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (ख) पुरुषवाचक सर्वनाम (ग) संबंधवाचक सर्वनाम
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम (ङ) निश्चयवाचक सर्वनाम (ग) संबंधवाचक सर्वनाम
2. (क) कौन (ख) मेरी (ग) मैंने (घ) अपने (ङ) उसने (च) वह
3. (क) गुणवाचक विशेषण (ख) गुणवाचक विशेषण (ग) निश्चित संख्यावाचक
(घ) सार्वनामिक विशेषण (ङ) अनिश्चित संख्यावाचक (च) अनिश्चित संख्यावाचक

4. (क) ममेरा (ख) शिक्षप्रद (ग) जोशीले (घ) पाँच (ङ) आठवीं
5. (क) पक्षी आकाश में उड़ रहे है।
   (ख) बच्चा चिल्ला-चिलाकर रो रहा है।
   (ग) बालक मैदान में खेल रहे है।
   (घ) मोर धूम-धूमकर नाच रहा है।
   (ङ) सारिका गाना गा रही है।
6. (क) काटेगा (ख) लौटेगी (ग) उठेगा (घ) बैठेंगे (ङ) जाएगी (च) खाई

पाठ-10 काल

(Page No - 72)

1. (क) (स) भविष्यत् (ख) (अ) वर्तमान काल
   (ग) (ब) तीन (घ) (ब) भूतकाल
2. (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने का बोध हो उसे काल कहते है।
   (ख) काल के मुख्य रूप से तीन भेद होते है– भूतकाल, वर्तमानकाल और भविष्यतकाल।
3. (क) भूतकाल (ख) भविष्यत् काल (ग) वर्तमान काल (घ) भविष्यत्काल
   (ङ) भूतकाल
4. (क) सींच रहा (ख) पका (ग) पत्र (घ) पाठ (ङ) कपड़े
5. (क) आप कहाँ गए थे?
   (ख) मोहन कल अमेरिका चला गया।
   (ग) दाल पकेगी।
   (घ) गाय घास खा रही है।
   (ङ) आज वर्षा हो रही है।

पाठ-11 अविकारी शब्द

(Page No - 77)

1. (क) (अ) रीतिवाचक (ख) (ब) स्थानवाचक (ग)(ब) संबंधबोधक अव्यय
   (घ) (ब) विस्मयादिबोधक (ङ) (अ) निपात
2. (क) जिन शब्दों या अव्यय में रूप में परिवर्तन नहीं हो सकता उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।
   (ख) अविकारी शब्द पाँच प्रकार के होते है– क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक और निपात।
   (ग) जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं क्रियाविशेषण के चार भेद हैं– रीविाचक, कालवाचक, स्थानवाचक, परिमाणवाचक।
   (घ) हाथी धीरे-धीरे चलता है। घोड़ा तेज़ दौड़ता है।
   (ङ) दो शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने के लिए समुच्चयबोधक का प्रयोग होता है।

(च) संबंधबोधक अव्यय वे शब्द हैं जो संज्ञा या सर्वनाम के साथ लगकर उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ बताते हैं। इनके पहले किसी-न-किसी परसर्ग की अपेक्षा रहती है; जैसे– मेरे घर के सामने शिव मंदिर है।

3. वाह!, जहाँ, वहाँ, कल-कल, छल-छल, और गर्जना, ओर, के ऊपर

4. (क) इसलिए (ख) अब (ग) के बाद (घ) धीरे-धीरे (ङ) बाप रे

5. (क) मोहन के घर से पहले मेरा घर आता है।
   (ख) टेबल के नीचे बिल्ली बैठी है।
   (ग) रोहन, मोहन के साथ मेला देखश्ने गया।
   (घ) छत के ऊपर मोर बैठा है।
   (ङ) पिताजी के साथ मैं भी बाजार गया।

6. (क) या (ख) इसलिए (ग) अथवा (घ) किंतु (ङ) अत:

पाठ-12 वाक्य

(Page No - 83)

1. (क) (अ) उद्देश्य (ख) (?) ????
   (ग) (द) रात बीत गई है। (घ) (ब) दो

2. (क) वाक्य शब्दों का वह व्यवस्थित समूह है जिसमें पूर्ण अर्थ देने की शक्ति होती है; जैसे– माँ भोजन बना रही है।
   (ख) उद्देश्य और विधेय
   (ग) जिन वाक्यों से क्रिया के न करने व न होने का बोध हो उसे निषेधवाचक व्यक्त कहते है जैसे– मोहन ने खाना नही खाया।
   (घ) जिन वाक्यों से क्रिया में प्रश्न पूछने का बोध हो उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे– तुम कब आओगे?

3.

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	मेरा मित्र	कल आ रहा है
(ख)	बालक	पुस्तक पढ़ रहा है।
(ग)	राजा दशरथ	अयोध्या के राजा थे।
(घ)	तुम्हारा बेटा	बुद्धिमान है।

4. (क) मैं पुस्तकें खरीदना चाहती हूँ। (ख) सीता ने कल खाए और चाय पी।
   (ग) छात्रों को शिक्षक ने कहानी सुनाई। (घ) मुझको आम खाने है।
   (ङ) राम विद्यालय जाओ।

5. (क) विस्मयादिवाचक वाक्य (ख) निषेधात्मक वाक्य (ग) प्रश्नवाचक वाक्य
   (घ) विघानवाचक वाक्य (ङ) इच्छावाचक वाक्य (च) संदेहवाचक वाक्य

6. (क) क्या मोहन क्रिकेट खेलेगा (ख) शायद! राम फुटबॉल खेलता है।
   (ग) अरे! सोहन जीत गया। (घ) मोहन आज स्कूल जाएगा।
   (ङ) क्या आपने भोजन नहीं किया।

पाठ-13 विराम-चिह्न

(Page No - 87)

1. (क) (अ) प्रश्नसूचक चिह्न (ख) (ब) विस्मयसूचक चिह्न
   (ग) (ब) प्रश्नसूचक चिह्न (घ) (अ) विवरण चिह्न
2. (क) बातचीत के समय बीच-बीच में रुकने, कथन पर बल देने या बात को समझाने के लिए कई जगह रुकना पड़ता है। इसी को विराम कहते हैं।
   (ख) वाक्य में बहुत कम समय के लिए जहाँ रुकना पड़े, वहाँ अल्प विराम होता हैं जरंतु जब वाक्य में अल्प विराम से कुछ अधिक और पूर्ण विराम से कुछ पहले रुकना पेड़ तो वहाँ अर्थ विराम होता है; जैसे– हाँ, तुम ठीक कहते हो। इस वाक्य में अल्प विराम है अब खूब परिश्रम करो; परीक्षा सिर पर आ गई है। यहाँ अर्द्ध विराम का प्रयोग हुआ है।
3. बच्चो! हम आपको बता दें, कि खेलों के लिए जूते, कपड़े और सामान की आवश्यकता है। क्या तुम इसके लिए तैयार हो? गुरुजी ने कहा - अच्छा सब तैयार हो जाओ।
4. (क) इब्राहिम बोला, तौबा आप क्या कहते हैं?
   (ख) मुझे केले, संतरे, आम और सेब चाहिए।
   (ग) अरे! तुम कब आए?
   (घ) क्या कहा, मैं नहीं जाऊँगा।
   (ङ) आज मेरा जन्मदिन है।
   (च) गीता, सीता और राम बाजार गए हैं।
   (छ) उफ़! कितनी गरमी है।

पाठ-14 मुहावरे

(Page No - 91)

1. (क) (द) खतरा मोल लेना
   (ख) (स) रवि इस बात को जानकर सारे मुहल्ले में ढोल पीट देगा
   (ग) (अ) आसमान सिर पर उठा लेना
2. भाषा को रोचक और प्रभावशाली बनाने के लिए मुहावरे का प्रयोग किया जाता है।
3. (क) राम को मैंने सच्ची बातें कहीं तो उसने मुझे आँखें दिखा दी।
   (ख) तुम मेरी राह में काँटे बिछाने का काम मत करो।
   (ग) रानी लक्ष्मीबाई ने युद्ध में अग्रेज़ो के दाँत खटे कर दिए।
   (घ) मुकेश किसी की बात नहीं मानता वह तो एक चिकना घड़ा है।
   (ङ) मोहन के पिताजी अपने मालिक के तलवे चाट ते रहते है।
4. (क) बहुत गुस्सा आना (ख) कपटी होनो (ग) मूर्ख (घ) अति प्रसन्न होना
   (ङ) मुश्क्लि काम

कार्यपत्र – 4

(Page No - 93)

1. (क) परिमाणवाचक (ख) कालवाचक (ग) रीतिवाचक
   (घ) परिमाणवाचक (ङ) निपाट (च) कालवाचक
2. (क) शायद! आज वर्षा हो जाए।
   (ख) इस ओर चलो; उधर गहरा गड्ढा है।
   (ग) पहले तुम अपना काम कर लो, फिर घूमने चलेंगें।
   (घ) परसों मेरे चाचाजी आऐंगें।
   (ङ) आज दोपहर से तेज हवाएँ चल रही है।
3. (क) के पास (ख) की तरह (ग) के पास (घ) मेरे सिवाय (ङ) के सहारे
4. (क) और (ख) जैसे (ग) ताकि (घ) ताकि (ङ) जिसने
5. (क) अरे (ख) छि: (ग) हे प्रभु (घ) ओह (ङ) वाह (च) अरे
6. (क) ही (ख) तुम (ग) मीठा (घ) घर, भी (ङ) अपना
7. (क) राम सो रहा है।
   (ख) अगर तुम मन लगाकर पढ़ाई करोगे तो पास हो जाओगे।
   (ग) मेरे लिए एक गिलास पानी लाओ।
   (घ) तुमने अभी तक स्कू का काम नहीं किया।
   (ङ) क्या आज गाड़ी लेट है।
   (च) तुम कौन हो?
   (छ) अरे! चोर तो चोरी करके भाग गया।
   (ज) आज मेरा मन दादाजी से मिलने का हो रहा है।
8. (क) ? – प्रश्नवाचक चिह्न (ख) , – अल्प विराम
   (ग) " " – उद्धरण चिह्न (घ) ! – विस्मयादिबोधक चिह्न
   (ङ) । – पूर्ण विराम (च) ; – अर्ध विराम
   (छ) - :- योजक चिह्न
9. (क) (ii) (ख) (vi) (ग) (i) (घ) (iv) (ङ) (vii) (च) (iii)
   (छ) (v)
10. (क) नौ-दो ग्यारह हो गया। (ख) के प्राण-पखेरू उड़ गए।
    (ग) उसके मित्र ने टका-सा जवाब दिया। (घ) कोल्हू के बैल
    (ङ) श्री गणेश किया।

पाठ-15 अपठित गद्यांश

(Page No - 97)

2. (क) पेट का गैस ऊपर की ओर मुँह के रास्ते बाहर आती है। इसे डकार आना कहते हैं।
   (ख) पेट की गैस ऊपर की ओर मुँह के रास्ते बाहर आती है।

(ग) ठंडे़ पेय पदार्थ पीने से जल्दी-जल्दी डकाटे आने लगाती है।

(घ) पेट में गैस का दबाव बढ़ जाने से वह डकार के रूप में बाहर आने लगता है।

3. (क) (अ) शिकारियों की (ख) (स) तेज़ तूफानी (ग) (अ) झोंपड़ी से

(घ) (स) बर्फ से ढकी (ङ) (अ) कौआ

4. (क) रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्म 6 मई 1861 को कलकत्ता में हुआ था।

(ख) गीतांजलि

(ग) कोलकत्ता के नाम से जाना जाता है।

(घ) इन्होंने शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय की स्थापना की।

(ङ) ??????

पाठ-16 से 20 तक स्वयं करें।